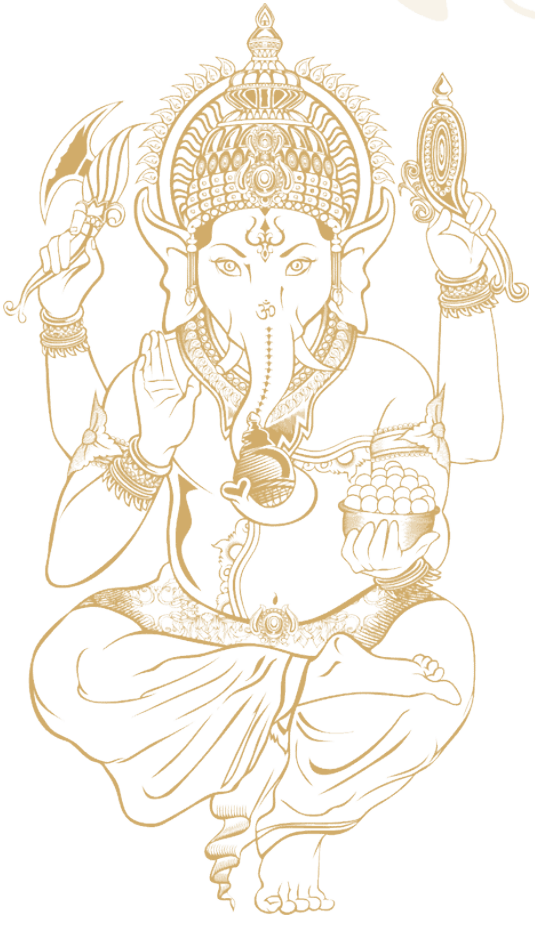

Poonam

01 Jul 2001

11:30 AM

Hindaun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121649502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/07/2001**
दिन	रविवार
जन्म समय	**11:30:00 घंटे**
इष्ट	14:55:02 घटी
स्थान	**Hindaun**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:44:00 उत्तर
रेखांश	77:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:08:08 घंटे
वेलान्तर	-00:03:49 घंटे
साम्पातिक काल	05:45:35 घंटे
सूर्योदय	05:31:59 घंटे
सूर्यास्त	19:19:15 घंटे
दिनमान	13:47:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:36:06 मिथुन
लग्न के अंश	02:53:59 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	साध्य
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	02:53:59	322:51:14	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			मिथु	15:36:06	00:57:12	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			तुला	24:39:33	13:04:52	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल	व		वृश्चि	23:36:30	00:14:32	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	स्वराशि
बुध			वृष	27:45:13	00:14:32	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	03:28:53	00:13:39	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	01:20:12	01:04:11	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	स्वराशि
शनि			वृष	15:06:07	00:07:04	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु			मिथु	12:29:47	00:00:26	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु			धनु	12:29:47	00:00:26	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		कुंभ	00:33:09	00:01:28	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:15:35	00:01:22	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	19:21:33	00:01:24	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	02:48:58	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:24

लग्न-चलित

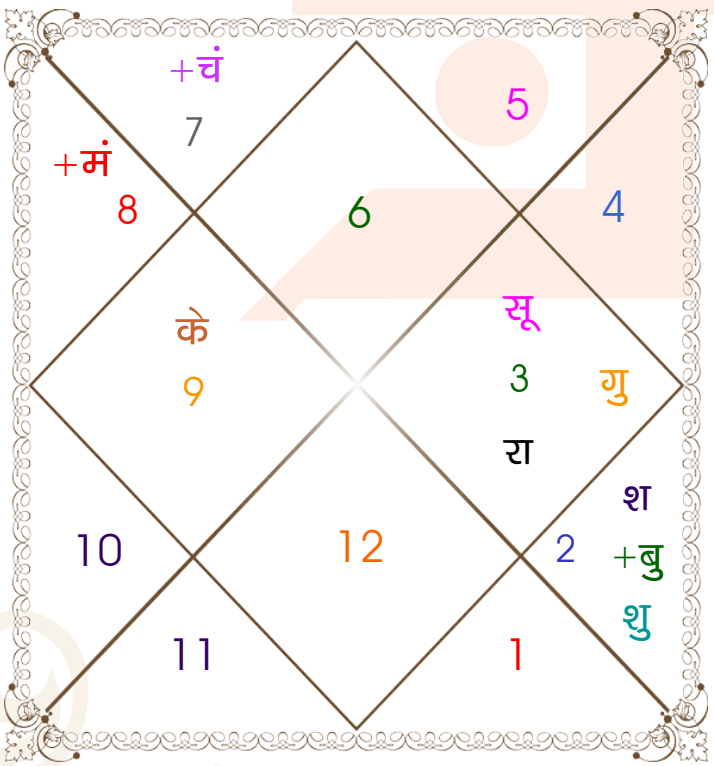

चन्द्र कुंडली

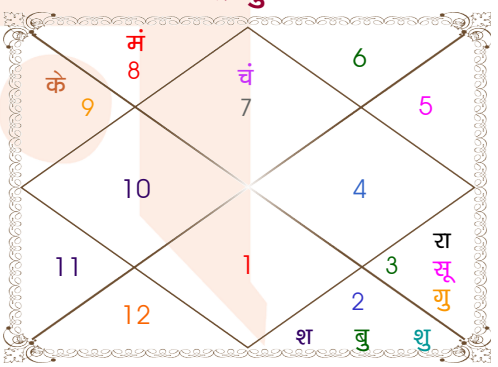

नवमांश कुंडली

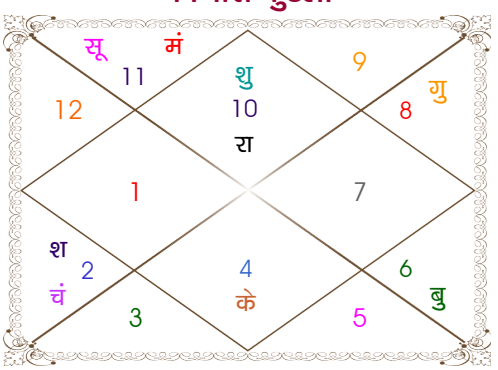

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 4 मास 27 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
01/07/2001		28/11/2011		28/11/2030		28/11/2047		28/11/2054	
28/11/2011		28/11/2030		28/11/2047		28/11/2054		28/11/2074	
	00/00/0000	शनि	01/12/2014	बुध	25/04/2033	केतु	25/04/2048	शुक्र	29/03/2058
	01/07/2001	बुध	10/08/2017	केतु	22/04/2034	शुक्र	25/06/2049	सूर्य	29/03/2059
बुध	03/11/2002	केतु	19/09/2018	शुक्र	20/02/2037	सूर्य	31/10/2049	चंद्र	27/11/2060
केतु	10/10/2003	शुक्र	18/11/2021	सूर्य	28/12/2037	चंद्र	01/06/2050	मंगल	27/01/2062
शुक्र	10/06/2006	सूर्य	31/10/2022	चंद्र	29/05/2039	मंगल	28/10/2050	राहु	27/01/2065
सूर्य	29/03/2007	चंद्र	01/06/2024	मंगल	25/05/2040	राहु	16/11/2051	गुरु	28/09/2067
चंद्र	28/07/2008	मंगल	10/07/2025	राहु	13/12/2042	गुरु	22/10/2052	शनि	28/11/2070
मंगल	04/07/2009	राहु	16/05/2028	गुरु	20/03/2045	शनि	30/11/2053	बुध	27/09/2073
राहु	28/11/2011	गुरु	28/11/2030	शनि	28/11/2047	बुध	28/11/2054	केतु	28/11/2074

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/11/2074		27/11/2080		28/11/2090		27/11/2097		29/11/2115	
27/11/2080		28/11/2090		27/11/2097		29/11/2115		00/00/0000	
सूर्य	17/03/2075	चंद्र	27/09/2081	मंगल	26/04/2091	राहु	11/08/2100	गुरु	16/01/2118
चंद्र	16/09/2075	मंगल	29/04/2082	राहु	13/05/2092	गुरु	04/01/2103	शनि	29/07/2120
मंगल	22/01/2076	राहु	28/10/2083	गुरु	19/04/2093	शनि	10/11/2105	बुध	02/07/2121
राहु	15/12/2076	गुरु	26/02/2085	शनि	29/05/2094	बुध	29/05/2108		00/00/0000
गुरु	04/10/2077	शनि	28/09/2086	बुध	26/05/2095	केतु	17/06/2109		00/00/0000
शनि	16/09/2078	बुध	27/02/2088	केतु	22/10/2095	शुक्र	17/06/2112		00/00/0000
बुध	23/07/2079	केतु	27/09/2088	शुक्र	21/12/2096	सूर्य	11/05/2113		00/00/0000
केतु	28/11/2079	शुक्र	29/05/2090	सूर्य	28/04/2097	चंद्र	10/11/2114		00/00/0000
शुक्र	27/11/2080	सूर्य	28/11/2090	चंद्र	27/11/2097	मंगल	29/11/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 5 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।